नव भारत
राष्ट्रहित का प्रहरी 1934 से

एक नजर में

चंबल अभ्यारण्य में 29 घड़ियाल शावकों का जन्म

मुरैना. मध्यप्रदेश के मुरैना जिले स्थित राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण्य के देवरी घड़ियाल पुनर्वास केंद्र में आज 29 घड़ियाल शावकों का जन्म हुआ. इस मौसम में अब तक कुल 99 घड़ियाल शावक हैचिंग के माध्यम से बाहर आ चुके हैं. वन विभाग के सूत्रों के अनुसार पुनर्वास केंद्र में दुर्लभ बटागुर प्रजाति के 18 कछुओं का भी जन्म हुआ है. सुरक्षा और संक्रमण की दृष्टि से सभी शावकों को फिलहाल क्वारंटीन में रखा गया है तथा उनकी विशेष निगरानी की जा रही है. सूत्रों ने बताया कि जिन 29 अंडों से आज शावक निकले हैं.

झोपड़ी में आग से मासूम जिंदा जला

दतिया. झोपड़ी में अचानक आग लगने से 2 साल का बच्चा जिंदा जल गया. माता-पिता उसे खाट पर लिटाकर खेत में काम कर रहे थे. झोपड़ी से लपटें उठती देख वे बच्चे को बचाने दौड़े लेकिन आग इतनी तेज थी कि वे उसे बाहर नहीं निकाल पाए. हादसा जिगना गांव में देर शाम हुआ. सूचना मिलते ही जिगना थाना पुलिस मौके पर पहुंची. शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भिजवा दिया गया है. आग लगने के कारण का खुलासा नहीं हो सका है. हरदेव कुशवाहा ने बताया कि वह सेमला तालाब के पास खेत पर बनी झोपड़ी में रहता है.

गुस्ताखी माफ

सूरज तापमान ३६ से सीधा ४६ नहीं करता,...धीरे धीरे बढ़ाता है ताकि लोग सह सकें !

गांव में पसरा मातम

पांच चिताएं एक साथ जलीं

प्रभारी मंत्री सहित कई अधिकारी भी अंतिम संस्कार में पहुंचे

- कूप हादसे के बाद परिजनों का चक्काजाम
- तकनीकी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं होने से आक्रोश

पन्ना, 27 मई. अजयगढ़ क्षेत्र की ग्राम पंचायत बीहरपुरवा में कूप निर्माण के दौरान मिट्टी धंसने से पांच मजदूरों की मौत के बाद पूरे गांव में मातम पसरा रहा. बुधवार को पांचों मजदूरों का अंतिम संस्कार एक साथ किया गया. जब पांच चिताएं एक साथ जलीं तो माहौल गमगीन हो गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया. अंतिम संस्कार में प्रभारी मंत्री इंदर सिंह, विधायक बृजेंद्र प्रताप सिंह, कलेक्टर उषा परमार, पुलिस अधीक्षक निवेदिता नायडू सहित जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद रहे.

हादसे के बाद ग्रामीणों और परिजनों में भारी आक्रोश देखने को मिला. उनका आरोप है कि मामले में केवल पंचायत प्रतिनिधियों पर कार्रवाई की जा रही है, जबकि उपयंत्री, एसडीओ और जनपद पंचायत सीईओ जैसे तकनीकी अधिकारियों को बचाया जा रहा है. इसी मांग को लेकर सैकड़ों ग्रामीणों और महिलाओं ने माधवगंज चौराहे पर चक्काजाम कर दिया, जिससे पन्ना-बांदा मार्ग पर करीब एक घंटे तक यातायात प्रभावित रहा.

मामले की निष्पक्ष जांच करे सरकार

प्रशासनिक अधिकारियों के समझाने के बाद जाम समाप्त हुआ. इसके बाद ग्रामीण थाने पहुंचे और दोषी अधिकारियों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग करते रहे. पुलिस ने सरपंच सरोज पटेल, संतोष पटेल और रामबाबू पटेल के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया, जिसके बाद परिजन शव लेने को तैयार हुए. ग्रामीणों में यह चर्चा भी है कि जिस कूप में हादसा हुआ, उसका कार्य कागजों में पहले ही पूर्ण दिखाया जा चुका था. मामले की निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है.

आरटीओ में अभद्रता राजस्व टीम पर हमला

धार. मध्यप्रदेश के धार जिले में शासकीय अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ अभद्रता तथा हमला करने के दो अलग-अलग मामले सामने आए हैं. पुलिस ने दोनों मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. पहले मामले में जिला मुख्यालय स्थित आरटीओ कार्यालय में बस जब्त किए जाने से नाराज दो बस मालिकों द्वारा आरटीओ अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार और धमकी देने का मामला सामने आया है. कोतवाली थाना पुलिस के अनुसार कैलाश नगर निवासी आरटीओ कार्यालय कर्मचारी मधुकर सिसोदिया ने शिकायत दर्ज कराई कि नियमों का उल्लंघन करने पर दो बसों को जब्त किया गया था. इससे नाराज होकर सरदारपुर निवासी सईद खान और उसका पुत्र ईशाक खान आरटीओ कार्यालय पहुंचे और शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए गाली गलौज की तथा जान से मारने की धमकी दी. पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. दूसरा मामला अमझेरा थाना क्षेत्र के ग्राम कपास्थल का है.

50 हजार रुपए की रिश्वत लेते सहायक प्राध्यापक गिरफ्तार

04 लाख रुपए की थी मांग

01 लाख पहले ही ले चुका था

इंदौर, 27 मई. लोकायुक्त टीम ने बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए खरगोन जिले के मंडलेश्वर स्थित शासकीय महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक आत्माराम सोलंकी को 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ लिया. आरोपी आवेदक की पत्नी की पोस्टिंग नजदीक करवाने के नाम पर 4 लाख रुपए मांग रहा था और पहले ही 1 लाख रुपए ले चुका था.

शिकायतकर्ता मनोज वास्केल निवासी मानपुर ने लोकायुक्त पुलिस अधीक्षक के समक्ष आवेदन दिया था कि उसकी पत्नी उर्मिला वास्केल का चयन पीएससी के माध्यम से सहायक प्राध्यापक पद पर हुआ है. उनकी पोस्टिंग धार में होने के बाद आरोपी आत्माराम सोलंकी लगातार फोन कर 4 लाख रुपए की मांग कर रहा था. आरोपी का कहना था कि उसी ने पोस्टिंग दलौदा (मंदसौर) से बदलवाकर धार करवाई है, जो उनके घर के नजदीक है.

> शिकायत का सत्यापन कराया गया, जिसमें आरोप सही पाए गए. इसके बाद योजना बनाकर बुधवार को धामनोद बायपास स्थित मधुबन ढाबे पर आवेदक को 50 हजार रुपए की किश्त देने भेजा गया. जैसे ही आरोपी ने रकम ली, पहले से तैनात लोकायुक्त टीम ने उसे मौके पर ही दबोच लिया.

डिजिटल तकनीक से मरीजों का करें उपचार

- स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता का रखें ध्यान : शुक्ल

भोपाल, 27 मई. उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, पारदर्शिता, जवाबदेही एवं सेवा प्रदायगी की दक्षता को और अधिक मजबूत करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं. उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का उपयोग केवल प्रक्रियाओं के सरलीकरण तक सीमित न रहकर मरीजों को समयबद्ध, सुगम एवं बेहतर उपचार उपलब्ध कराने का माध्यम बने.

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने मंत्रालय में स्वास्थ्य सेवाओं के प्रदाय में डिजीटल तकनीक के उपयोग से सशक्तीकरण की प्रस्तावित कार्ययोजना की समीक्षा की और प्रावधानों पर गहन विमर्श किया. उन्होंने निर्देश दिए कि अस्पतालों में जांच, पंजीयन, प्रिस्क्रिप्शन, दवा वितरण, भर्ती एवं डिस्चार्ज जैसी सेवाओं को आपस में डिजिटल रूप से जोड़ा जाए, जिससे मरीजों को एकीकृत एवं सहज स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त हो सकें.

> आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा धनराजू एस ने प्रदेश में प्रस्तावित डिजिटल हेल्थ ट्रांसफॉर्मेशन एवं स्वास्थ्य सेवा सुदृढ़ीकरण की चरणबद्ध कार्ययोजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। उन्होंने बताया कि ओपीडी, आईपीडी, वाइटल्स, प्रिस्क्रिप्शन, फार्मेसी, लैबोरेटरी इंफॉर्मेशन सिस्टम, रेडियोलॉजी इंफॉर्मेशन सिस्टम और डिस्चार्ज सेवाओं को चरणबद्ध रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ा जाएगा।

कार से 38 लाख रुपए का गांजा बरामद, दो गिरफ्तार

शिवपुरी. जिले के करेरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक कार से 38 लाख रुपए मूल्य का अवैध गांजा बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नीरज राय (40) और मानसिंह विश्वकर्मा (36) के रूप में हुई है. दोनों आरोपी पिछोर की ओर से कार में गांजा लेकर आ रहे थे. सूत्रों ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने पर करेरा थाना पुलिस ने पाल कॉलोनी के पास वाहन जांच अभियान चलाया. इसी दौरान संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें 194 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ. पुलिस ने लगभग 10 लाख रुपए मूल्य की कार भी जब्त कर ली है. आरोपियों के खिलाफ मादक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच की जा रही है.

पिकअप खाई में गिरी, 3 मजदूरों की मौत

पेंट की बाल्टियों पर बैठे थे मजदूर, चालक फरार

नीमच, 27 मई. जिले के सिंगोली क्षेत्र स्थित तिलस्वा घाट पर मंगलवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में तीन मजदूरों की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. पेंट से भरी पिकअप वाहन खतरनाक मोड़ पर अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी. हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया.

जानकारी के अनुसार राजस्थान के धौलपुर से बांसवाड़ा जा रही पिकअप में पेंट की बाल्टियां लदी थीं, जिनके ऊपर मजदूर बैठे हुए थे. रात करीब 10 बजे तिलस्वा घाट के मोड़ पर वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे खाई में गिर गया. हादसे में बाल्टियों का रंग मजदूरों के

शवों पर फैल गया, जिससे घटनास्थल का दृश्य बेहद दर्दनाक हो गया. मृतकों की पहचान उदयलाल निवासी बरेली, रामअवध सिंह और पिंटू कुमार निवासी गाजीपुर के रूप में हुई है. घायल मजदूरों में मोहम्मद जाकिर, इदरीस और सोमपाल शामिल हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद कोटा रेफर किया गया है. सभी मजदूर निर्माण कार्य के लिए बांसवाड़ा जा रहे थे.

> घटना की सूचना मिलते ही सिंगोली थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे. राहगीरों की मदद से शवों और घायलों को खाई से बाहर निकाला गया. पुलिस ने वाहन जब्त कर जांच शुरू कर दी है. लगातार हो रहे हादसों के बाद पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने तिलस्वा घाट का निरीक्षण किया. अधिकारियों ने घाट पर चेतावनी बोर्ड लगाने और सड़क सुधार कार्य जल्द पूरा करने की बात कही है. गौरतलब है कि इसी घाट पर रविवार को भी एक बस पलटने से 30 यात्री घायल हुए थे.

41 लाख से अधिक का गबन उजागर

सहकारी केंद्रीय बैंक के कैशियर और सहायक लेखाकार निलंबित

खरगोन, 27 मई. जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित खरगोन की बिस्टान शाखा में 41 लाख 58 हजार रुपए से अधिक के गबन का मामला सामने आने के बाद बैंक प्रबंधन ने कैशियर और सहायक लेखाकार को निलंबित कर दिया है.

बैंक प्रशासन ने कैशियर ऋतु गोयल और सहायक लेखाकार त्र्यंबक वाणी को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है. मामले की सूचना पुलिस को दे दी गई है और जांच शुरू कर दी गई है.

बैंक की मुख्य कार्यपालन अधिकारी संध्या रोकड़े ने बताया कि मामले की विभागीय जांच प्रारंभ कर दी गई है तथा दोषी पाए

जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

जानकारी के अनुसार 25 मई 2026 को शाखा में नियमित कैश सत्यापन और भौतिक लेखा परीक्षण के दौरान गड़बड़ी सामने आई. जांच में कैश बुक में दर्ज राशि और शाखा में वास्तविक रूप से उपलब्ध नकदी के बीच 41 लाख 58 हजार 95 रुपए का अंतर पाया गया.

> मामले को गंभीरता से लेते हुए बैंक प्रबंधन ने तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी. अधिकारी मौके पर पहुंचे और शाखा का निरीक्षण कर विस्तृत प्रतिवेदन तैयार किया. इसके बाद कार्रवाई के लिए जैतापुर थाना पुलिस को जानकारी दी गई. फिलहाल पुलिस और बैंक प्रशासन संयुक्त रूप से मामले की जांच कर रहे हैं. बैंक प्रबंधन का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी.

ग्वालियर में ताबड़तोड़ फायरिंग, एक की मौत

- रेत डंप विवाद में रिटायर्ड जवान ने चलाई गोली

ग्वालियर. पटरी रोड इलाके में 15-20 राउंड फायरिंग हुई है. फायरिंग की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई है. वहीं, एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चल रहा है. ग्वालियर में रेत विवाद इतना बढ़ गया कि ससुर और दामाद को गोली मार दी गई. इस गोलीबारी में दामाद की मौत हो गई है और ससुर गंभीर रूप से घायल है. ससुर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है. वहीं, पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है.

यह पूरा घटनाक्रम ग्वालियर के महाराजपुरा थाना इलाके के पटरी रोड का है. पुलिस ने

गुर्जर समाज में आक्रोश

घटना को लेकर गुर्जर समाज में आक्रोश है. पटरी रोड इलाके में तनाव है. मौके पर पुलिस बल की तैनाती है. वहीं, आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीम छापेमारी कर रही है.

जानकारी देते हुए बताया कि पटरी रोड पर विष्णु दुबे और सत्यभान सिंह गुर्जर बिल्डिंग मटेरियल का काम करते हैं. बुधवार को सत्यभान सिंह गुर्जर रेत डलवा रहे थे. इसी बात को लेकर विष्णु दुबे से उनका विवाद हो गया. बात इतनी बढ़ गई कि विष्णु दुबे ने अपने साथियों के साथ मिलकर सत्यभान और उनके दामाद भोला पर गोलियों से हमला कर दिया.

गोली लगने से दामाद भोले की मौत हो गई जबकि ससुर सत्यभान घायल हो गए. जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया है. जानकारी मिलते ही महाराजपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई है फिलहाल सभी आरोपी फरार बताए गए है.

बताया जा रहा है कि आरोपी ने ससुर-दामाद 15-20 राउंड फायरिंग की है. गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाजा गूंज उठा. बताया जा रहा है कि आरोपी विष्णु दुबे बीएसएफ से रिटायर्ड है. गोली उसी ने चलाई है. विवाद रेत डंप करने को लेकर हुआ था.

रेत माफियाओं ने आरक्षक पर चढ़ाया ट्रैक्टर, हालत गंभीर

नवभारत न्यूज

बालाघाट, 27 मई. जिले के लालबर्रा थाना क्षेत्र में रेत माफिया की दबंगई और कानून का खौफ खत्म होने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है. मंगलवार रात 8 से 9 लालबर्रा थानाक्षेत्र अंतर्गत कामथी में अवैध रेत खनन कर रहे ट्रेक्टर चालक द्वारा प्रधान आरक्षक राजेश्वर रहाँगडाले बेरहमी से वाहन चढ़ा दिया. इस जानलेवा हमले में आरक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गोंदिया रेफर किया गया है.

प्राप्त जानकारी के अनुसार, लालबर्रा थाने में पदस्थ आरक्षक सुशील और प्रधान राजेश्वर रहाँगडाले को कामथी में अवैध रेत के परिवहन की मुखबिर से सूचना मिली थी. मौके पर पहुंचे आरक्षकों ने जब कार्रवाई शुरू की और घटना स्थल का वीडियो बनाना चाहा, तभी ट्रैक्टर चालक ने दुस्साहस दिखाते हुए आरक्षक राजेश्वर पर सीधे ट्रैक्टर चढ़ा दिया. घटना के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और घायल आरक्षक को तत्काल जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहाँ नाजुक हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें गोंदिया रेफर कर दिया. घटना की भनक लगते ही मंगलवार देर रात आईजी ललित शाक्यवार और एसपी आदित्य मिश्रा सहित पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी जिला अस्पताल पहुंचे और घायल आरक्षक के स्वास्थ्य की जानकारी ली. पुलिस प्रशासन ने मामले को अत्यंत गंभीरता से लिया है. आईजी ललित शाक्यवार ने बताया कि वारदात के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी वाहन चालक को पुलिस अभिरक्षा में ले लिया गया है और ट्रैक्टर को जब्त कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है.

स्थानीय लोगों में घटना को लेकर आक्रोश

गौरतलब है कि संपूर्ण लालबर्रा तहसील में चारों दिशाओं अवैध रेत खनन और परिवहन का व्यापार चरम पर है जैसे ही रात गहराती है वैसे ही रेत माफियाओं के कम समय में ज्यादा लाभ के चक्कर में अंधाधुंध रफ्तार से रेत से भरे ट्रैक्टर फर्राटे भरते दिखाई देते हैं. ऐसा नहीं की इस अवैध कारोबार की भनक स्थानीय पुलिस को नहीं जानकारी होने के बाद भी यह पकड़ के बाहर रहते हैं . बहरहाल स्थानीय लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है.

देश में गेहूं उपार्जन में मध्यप्रदेश बना नंबर-1

- 13.36 लाख किसानों से 103 लाख मीट्रिक टन खरीदी

भोपाल, 27 मई. मध्यप्रदेश ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन में देशभर में नया रिकॉर्ड बनाया है. प्रदेश में अब तक 13 लाख 36 हजार किसानों से 103 लाख 48 हजार मीट्रिक टन गेहूं खरीदा जा चुका है. इनमें 8 लाख से अधिक सीमांत और लघु किसानों से 32 लाख 14 हजार मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन किया गया है. प्रदेश में खरीदी प्रक्रिया अभी भी जारी है.

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि कोविड

अवधि को छोड़ दें तो पिछले 10 वर्षों में यह सबसे बड़ा गेहूं उपार्जन है. उन्होंने कहा कि मोहन यादव के प्रयासों से केंद्र सरकार ने प्रदेश का लक्ष्य 78 लाख मीट्रिक टन से बढ़ाकर 100 लाख मीट्रिक टन किया था, सरकार द्वारा किसानों को अब तक 22 हजार 842.9 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है. किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य और 40 रुपये बोनस सहित कुल 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूं खरीदा जा रहा है.

हनीट्रैप में बड़ा खुलासा एडिटेड फोटो से करोड़ों की उगाही, गैंग का हर सदस्य निभा रहा था तय रोल

डेयरी दुकान से मिला ब्लैकमेलिंग का खजाना

नव भारत न्यूज

इंदौर, 27 मई. हाई-प्रोफाइल हनीट्रैप पार्ट-2 मामले में क्राइम ब्रांच को बड़ा ब्रेक मिला है. भोपाल की एक डेयरी दुकान से ब्लैकमेलिंग के पुख्ता सबूत मिलने के बाद गैंग की पूरी साजिश, तरीका और नेटवर्क सामने आ गया है. एडिटेड फोटो और सीक्रेट दस्तावेजों के जरिए करोड़ों की उगाही का खेल चल रहा था.

क्राइम ब्रांच की जांच में सामने आया है कि मास्टरमाइंड श्वेता जैन ने भोपाल स्थित अपनी डेयरी दुकान को ही ब्लैकमेलिंग का सेफ ठिकाना बना रखा था. टीम ने दबिश देकर यहां से

कारोबारी हितेंद्रसिंह उर्फ चिंटू ठाकुर से जुड़े कई एडिटेड फोटो, डिजिटल सामग्री और एक अहम एग्रीमेंट (अनुबंध) बरामद किया है. जांच में खुलासा हुआ है कि गैंग पहले टारगेट को फंसाता था, फिर उसकी फोटो को एडिट कर आपत्तिजनक बनाया जाता था. इसके बाद उन्हें वायरल करने की धमकी देकर मोटी रकम वसूली जाती थी. इसी पैटर्न पर कारोबारी से करीब एक करोड़ रुपए की डिमांड की गई थी. पुलिस के मुताबिक यह पूरा गिरोह बेहद संगठित तरीके से काम करता था. हर सदस्य की भूमिका पहले से तय रहती थी. कोई टारगेट से संपर्क करता था, कोई दोस्ती और बिजनेस रिलेशन बनाता था, तो बाकी सदस्य फोटो एडिट करने और ब्लैकमेलिंग की जिम्मेदारी संभालते थे. इस केस में अब तक श्वेता जैन, अलका दीक्षित, रेशू चौधरी, लाखन चौधरी, जितेंद्र पुरोहित, जयदीप दीक्षित और विनोद शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है. मामले में अब जांच का फोकस इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों पर है. आरोपियों के मोबाइल और डिजिटल डिवाइस पहले ही फोरेंसिक साइंस लैब भेजे जा चुके हैं. यहां से डिलीट डेटा, सीक्रेट चैट, ऑडियो वीडियो और फोटो रिकवर किए जा रहे हैं. पुलिस को अंदेशा है कि फोरेंसिक रिपोर्ट आने के बाद इस नेटवर्क से जुड़े कई बड़े और रसूखदार चेहरों के नाम सामने आ सकते हैं. साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि किन किन लोगों को इस गैंग ने अपना शिकार बनाया.

क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि भोपाल से मिले सबूत इस केस में अहम कड़ी साबित होंगे. डिजिटल सामग्री की फोरेंसिक जांच कराई जा रही है.